

(5)



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 114]

No. 114]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 14, 2003/आषाढ़ 23, 1925

NEW DELHI, MONDAY, JULY 14, 2003/ASADHA 23, 1925

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 2003

फा. सं. एएआई/पर्स/ईडीपीए/आरईजी/2002.— भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 (1994 का 55) की धारा 42 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) और उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (छुट्टी यात्रा रियायत) विनियम, 1982 को उन बातों के सिवाय अधिक्रान्त करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण के पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ - (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (छुट्टी यात्रा रियायत) विनियम, 2003 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना - ये विनियम प्राधिकरण के निम्नलिखित के सिवाय सभी कर्मचारियों को लागू होंगे -

(क) ऐसा कोई व्यक्ति जो प्राधिकरण के पूर्णकालिक नियोजन में नहीं है,

(ख) ऐसा कोई व्यक्ति जो नैमित्तिक या दैनिक मजदूरी पर है,

(ग) ऐसा कोई व्यक्ति जो, प्रशिक्षु या शिक्षु है,

(घ) ऐसा कोई व्यक्ति जो पुनर्नियोजित किया गया है और उसने एक वर्ष की निरन्तर सेवा पूरी नहीं की है,

(ङ) ऐसा कोई व्यक्ति जो संविदा के आधार पर नियुक्त किया गया है,

परन्तु वे व्यक्ति जो केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों और विभागों, राज्य सरकार और अन्य पब्लिक सेक्टर उपक्रमों से प्रतिनियुक्ति पर हैं, उन्हें, यदि उनका प्रतिनियुक्ति के अधीन अन्यथा अनुज्ञेय हो, छुट्टी यात्रा रियायत के बारे में जैसा उन्हें इन विनियमों के अधीन अनुज्ञेय है और जो उन्हें उनके मूल संगठन में अनुज्ञेय है, के बीच चुनने का विकल्प होगा किन्तु ऐसा कोई व्यक्ति 2 /4 वर्ष के ब्लाक की अवधि के लिए स्वयं अपने लिए और/या अपने कुटुम्ब के लिए प्राधिकरण से रियायत उपभोग करने का हकदार नहीं होगा यदि, यथास्थिति, उसने और/या उसके कुटुम्ब ने उस ब्लाक के दौरान अपने मूल संगठन के अधीन पहले ही रियायत का उपभोग कर लिया है।

3. परिभाषाएं - इन विनियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :-

(क) “अधिनियम” से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 (1994 का 55) अभिप्रेत है,

(ख) “प्राधिकरण” से अधिनियम की धारा 3 के अधीन गठित भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अभिप्रेत है,

(ग) “भारत में कोई स्थान” के अन्तर्गत भारत के राज्यक्षेत्र के भीतर कोई स्थान है चाहे वह भारत की मुख्य भूमि पर है या समुद्र पार है,

(घ) “अध्यक्ष” से अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन नियुक्त प्राधिकरण का अध्यक्ष अभिप्रेत है,

(ङ) “सक्षम प्राधिकारी” से अध्यक्ष या कोई सदस्य या अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अधिकारी अभिप्रेत है ;

(च) “कुटुम्ब” से -

- (i) यथास्थिति कर्मचारी की पहली पत्नी या पति, धर्मज बच्चे या सौतेले बच्चे जो कर्मचारी पर पूर्णतया आश्रित हों, चाहे वे कर्मचारी के साथ निवास कर रहे हैं या नहीं, अभिप्रेत है ;
- (ii) विवाहित पुत्रियां जो अपने पति से विवाह विच्छिन्न हैं, परित्यक्त हैं या पृथक् हो गई हैं और कर्मचारी के साथ निवास कर रही हैं और पूर्णतया कर्मचारी पर आश्रित हैं ;
- (iii) माता पिता और/या सौतेली मां जो कर्मचारी के साथ निवास कर रही हैं और उस पर पूर्णतया आश्रित है ;
- (iv) अविवाहित अवयस्क भाई तथा अविवाहित, विच्छिन्न विवाह, परित्यक्त या अपने पति से पृथक् हो गई या विधवा बहनें जो कर्मचारी के साथ निवास करती हैं और उस पर पूर्णतया आश्रित हैं परन्तु तब जब उनके माता पिता जीवित नहीं हैं या स्वयं कर्मचारी पर पूर्णतया आश्रित हैं ।

समष्टीकरण -

- (क) इन विनियमों के प्रयोजन के लिए “कुटुम्ब” पद में एक से अनधिक पद सम्मिलित हैं,
- (ख) कुटुम्ब का सदस्य जिसकी सभी स्रोतों से जिसके अन्तर्गत वृत्तिका या पेंशन, पेंशन में अस्थाई वृद्धि भी है, किन्तु महंगाई राहत को अपवर्जित करते हुए 1500 रुपए प्रतिमास से अधिक नहीं है, वह कर्मचारी पर पूर्णतया आश्रित समझा जाता है,
- (ग) छुट्टी यात्रा रियायत के प्रयोजन के लिए पति और पत्नी एक इकाई हैं और इस लिए आश्रितता की शर्त लागू नहीं होती है,
- (घ) “कर्मचारी” से प्राधिकरण का कर्मचारी जिसे ये विनियम लागू होते हैं, अभिप्रेत है,
- (ङ) “गृहनगर” से स्थाई नगर, ग्राम या कोई अन्य स्थान अभिप्रेत है जिसे कर्मचारी द्वारा इस रूप में घोषित किया गया है और सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया है,
- (च) दो कलेंडर वर्षों की अवधि में एक बार - पद “दो कलेंडर वर्षों की अवधि में एक बार” से दो कलेंडर वर्षों का एक समूह जैसे 2002-03, 2004-05 अभिप्रेत है जो वर्ष 2002-03 से प्रारम्भ होता है ।
- (छ) चार कलेंडर वर्षों की अवधि में एक बार - पद “चार कलेंडर वर्षों की अवधि में एक बार” से चार कलेंडर वर्षों का एक समूह जैसे 2002-05, 2006-09 अभिप्रेत है जो वर्ष 2002-05 से प्रारम्भ होता है ।
- (ज) स्थान की श्रेणी - स्थान की श्रेणी का विनिश्चय उस श्रेणी द्वारा किया जाता है जिसके लिए कर्मचारी उस समय हकदार है जब यात्रा की जाती है ।

(झ) “सदस्य” से प्राधिकरण का कोई सदस्य अभिप्रेत है किन्तु पदेन सदस्य इसके अन्तर्गत नहीं आता है ।

4. गृह नगर की घोषणा - (1) प्रत्येक कर्मचारी इन विनियमों के प्रारम्भ की तारीख से छह मास की अवधि के भीतर या रियायत का उपभोग करने से पूर्व, जो भी पूर्वतर हो, सक्षम प्राधिकारी को इन विनियमों के प्रयोजन के लिए अपने गृह नगर के बारे में घोषणा करेगा ।

परन्तु प्राधिकरण की सेवा में नवागत कर्मचारी सेवा में प्रविष्टि की तारीख से छह मास के पर्यवसान से पूर्व ऐसी घोषणा करेगा ।

- गृह नगर की घोषणा एक बार किए जाने और सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत किए जाने पर उसे अन्तिम समझा जाएगा किन्तु आपवादिक परिस्थितियों में सक्षम प्राधिकारी ऐसे कारणों से जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा, ऐसी घोषणा में परिवर्तन को प्राधिकृत कर सकेगा परन्तु ऐसा कोई परिवर्तन कर्मचारी की सम्पूर्ण सेवा के दौरान एक बार से अधिक बार प्राधिकृत नहीं किया जाएगा ।

- किसी कर्मचारी द्वारा गृह नगर के परिवर्तन के लिए प्रत्येक अनुरोध के समर्थन में स्थावर सम्पत्ति का स्वामित्व या निकट के नातेदार का स्थायी निवास जैसा कारण बताना होगा ।

5. छुट्टी यात्रा रियायत की अनुज्ञेयता - (1) छुट्टी यात्रा रियायत किसी कर्मचारी को केवल तब अनुज्ञेय होगी यदि यथास्थिति उसके या उसके कुटुम्ब द्वारा रियायत का उपभोग करने के लिए की गई यात्रा की तारीख को उसने प्राधिकरण के अधीन एक वर्ष की निरन्तर सेवा पूरी कर ली है ।

(2) छुट्टी यात्रा रियायत छुट्टी की किसी अवधि के दौरान जिसके अन्तर्गत आकस्मिक छुट्टी और विशेष आकस्मिक छुट्टी भी है, अनुज्ञेय होगी ।

(3) हड़ताल आदि में भाग लेने आदि के कारण अप्राधिकृत अनुपस्थिति की अवधि निरन्तर सेवा की न्यूनतम अवधि की संगणना करते समय सेवा में भंग करने वाली समझी जाएगी जब तक कि उसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा माफ न कर दिया गया हो ।

(4) छुट्टी यात्रा रियायत का सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी के दौरान उपभोग किया जा सकता है परन्तु वापसी यात्रा छुट्टी समाप्त होने से पहले पूरी कर ली जाए ।

6. छुट्टी यात्रा रियायत के प्रकार - (1) गृह नगर के लिए छुट्टी यात्रा रियायत कर्मचारी के मुख्यालय और उसके गृह नगर के बीच चाहे जो दूरी हो दो कैलेण्डर वर्ष के ब्लाक में एक बार जैसे 2002-03, 2004-05 जो वर्ष 2002-03 से प्रारम्भ होगा, अनुज्ञेय होगी ।

(2) भारत में किसी स्थान के लिए छुट्टी यात्रा रियायत कर्मचारी के मुख्यालय से परिदर्शन के स्थान की चाहे जो दूरी हो, चार कैलेण्डर वर्ष के ब्लाक में एक बार जैसे 2002-05, 2006-09 जो वर्ष 2003-05 से प्रारम्भ होगा, अनुज्ञेय होगी ।

(3) कोई कर्मचारी जिसका कुटुम्ब उससे दूर उसके गृह नगर में रहता है इन विनियमों के अधीन सभी रियायतों के बदले जिसके अधीन चार वर्ष के ब्लाक में एक बार भारत में किसी स्थान के परिदर्शन के लिए छुट्टी यात्रा रियायत ली है, जो अन्यथा उसे अनुज्ञेय होती, प्रत्येक वर्ष गृह नगर की सैर के लिए केवल स्वयं के लिए छुट्टी यात्रा रियायत का उपभोग कर सकता है ।

7. विशिष्ट ब्लाक के लिए छुट्टी यात्रा रियायत की गणना - छुट्टी यात्रा रियायत का उपभोग करने वाला कर्मचारी और उसके कुटुम्ब के सदस्य, यथास्थिति दो वर्ष या चार वर्ष के ब्लाक में भिन्न भिन्न समूह में भिन्न भिन्न समय पर यात्रा कर सकते हैं और इस प्रकार उपभोग की गई छुट्टी यात्रा रियायत दो वर्ष या चार वर्ष के ब्लाक के प्रति गणना में ली जाएगी जिसके भीतर बहिर्गामी यात्रा प्रारम्भ हुई थी भले ही वापसी यात्रा दो वर्ष या चार वर्ष के ब्लाक की समाप्ति के पश्चात की गई हो ।

8. छुट्टी यात्रा रियायत का अग्रनीत किया जाना - कोई कर्मचारी जो, दो वर्षों या चार वर्षों के विशिष्ट ब्लाक के भीतर छुट्टी यात्रा रियायत का उपभोग करने में असमर्थ है, उसे दो वर्षों या चार वर्षों के आगामी ब्लाक में उपभोग कर सकता है । यदि कोई कर्मचारी गृह नगर के लिए छुट्टी यात्रा रियायत का हकदार है, तो वह छुट्टी यात्रा रियायत को चार वर्ष के ब्लाक के लिए भारत में किसी स्थान को तभी अग्रनीत कर सकता है जब उसने चार वर्षों के ब्लाक के भीतर दो वर्षों के दूसरे ब्लाक की बाबत गृह नगर के लिए छुट्टी यात्रा रियायत को अग्रनीत किया है ।

9. किसी कर्मचारी और उसके कुटुम्ब के सदस्यों द्वारा छुट्टी यात्रा रियायत के अधीन भारत में किसी स्थान का परिदर्शन किए जाने वाले स्थान - कोई कर्मचारी और उसके कुटुम्ब का प्रत्येक सदस्य चार वर्षों के ब्लाक के दौरान अपनी पसंद के भिन्न भिन्न स्थानों की सैर कर सकता है । किसी कर्मचारी के कुटुम्ब के सदस्यों के लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वे उसी स्थान का परिदर्शन करें जिसका परिदर्शन कर्मचारी ने उसी ब्लाक वर्ष के दौरान किसी समय पहले स्वयं किया है ।

10. यात्रा के एक ओर के रास्ते के लिए रियायत - (1) एक ओर के रास्ते के लिए छुट्टी यात्रा रियायत किसी कर्मचारी के कुटुम्ब के सदस्यों को स्वतंत्र रूप से बाहर जाने और वापस आने के समय विद्यमान तथ्यों के प्रति निर्देश से अनुज्ञेय होगी ।

(2) निम्नलिखित व्यक्ति केवल बाहर जाने की यात्रा की बाबत प्रतिपूर्ति के हकदार होंगे -

(क) आश्रित पुत्र या पुत्रियां गृह नगर जाने के पश्चात नियोजन पा जाते हैं या विवाह कर लेती या अध्ययन करने के लिए वहां रह जाते हैं ।

(ख) कुटुम्ब द्वारा गृह नगर की यात्रा करने पर गृह नगर से वापसी यात्रा पूरी करने का इरादा नहीं है परन्तु यह तब जब कर्मचारी लिखित रूप में वापसी यात्रा की रियायत का त्याग कर देता है यदि कुटुम्ब के सदस्यों द्वारा वह पश्चातवर्ती तारीख को की जाती है ।

(3) निम्नलिखित व्यक्ति केवल वापसी यात्रा की बाबत प्रतिपूर्ति के हकदार होंगे -

(क) कोई नव विवाहित पति या पत्नी जो गृह नगर से मुख्यालय आ रहे हैं अथवा कोई पति या पत्नी जो काफी दिन से गृह नगर में रह रहा है / रह रही हैं और जिसने बाहर जाने की यात्रा के लिए छुट्टी यात्रा रियायत का उपयोग नहीं किया है,

(ख) कोई आश्रित पुत्र या पुत्री जो माता पिता के साथ वापस आ रहे हैं या गृह नगर से साथ आ रहे हैं जहां वह अध्ययन कर रहा है / रही है या दादा दादी के साथ रह रहा है / रही है ।

(ग) बच्चा जो पहले पांच वर्ष से कम आयु का था परन्तु उसने वापसी यात्रा के समय पांच वर्ष की आयु पूरी कर ली है।

टिप्पण - कोई बच्चा जो बाहर यात्रा करते समय बारह वर्ष से कम आयु का था किन्तु उसने वापसी यात्रा के समय बारह वर्ष की आयु पूरी कर ली है तो वह बहिर्गामी यात्रा पर जाने के लिए आधे किराए और वापसी यात्रा के लिए पूरे किराए का हकदार होगा।

11. स्थान की श्रेणी और छुट्टी यात्रा रियायत का नकदीकरण - (1) छुट्टी यात्रा रियायत के अधीन यात्रा के लिए हकदारी का विनिश्चय प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

(2) इन विनियमों के अधीन नकदीकरण प्रथम श्रेणी से अनधिक के लिए रेल यात्रा द्वारा हकदार श्रेणी द्वारा प्रत्येक ओर से 1500 कि.मी. तक सीमित होगा। इस विनियम के प्रयोजन के लिए कुटुम्ब कर्मचारी उसके पति या पत्नी और बच्चों तक सीमित होगा जो चार टिकट तक की सीमा के अन्वर्धन होगा और ऐसा नकदीकरण हकदारी किराए के 75 % की सीमा तक होगा।

12. प्रतिपूर्ति - इन विनियमों के अधीन प्रतिपूर्ति के अन्तर्गत आनुषंगिक व्यय और स्थानीय यात्रा पर उपगत व्यय नहीं आते हैं। यात्रा के व्ययों के लिए प्रतिपूर्ति केवल स्थान से स्थान तक यात्रा के आधार पर न्यूनतम सीधे मार्ग से आद्योपांत टिकट पर अनुज्ञात की जाएगी।

13. दावा का समपहरण - जहां कर्मचारी द्वारा कोई अग्रिम नहीं लिया गया है वहां कर्मचारी की छुट्टी यात्रा रियायत के दावे की प्रतिपूर्ति समपहृत हो जाएगी या छोड़ दी गई समझी जाएगी यदि इसके लिए वापसी यात्रा के पूरी होने की तारीख से तीन मास के भीतर दावा नहीं किया जाता है। यदि अग्रिम लिया जाता है तो अन्तिम बिल वापसी यात्रा पूरी होने के एक मास

1961/03-2

के भीतर दिया जाना चाहिए । यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो सम्पूर्ण अग्रिम को एकमुश्त वसूल किया जाएगा जिसके पश्चात ऐसा मान लिया जाएगा कि जैसे कोई अग्रिम आहरित नहीं किया गया हो और दावा वापसी यात्रा की पूर्ति के तीन मास के भीतर किया गया था ।

14. अग्रिम की मंजूरी और उसका समायोजन - (1) कर्मचारी को रियायत का उपभोग करने में उसे समर्थ बनाने के लिए अग्रिम अनुदत्त किया जा सकता है । प्रत्येक मामले में अग्रिम की रकम उस प्राक्कलित रकम के 90 प्रतिशत तक सीमित होगी जिसकी प्राधिकरण को दोनों ओर की यात्रा की लागत की बाबत प्रतिपूर्ति करनी है ।

(2) यदि कुटुम्ब कर्मचारी से पृथक् रूप से यात्रा करता है तो अग्रिम भी अनुज्ञेय सीमा तक पृथक् रूप से किया जा सकता है ।

(3) बहिर्गामी और वापसी दोनों के लिए अग्रिम यात्रा पर जाते समय लिया जा सकेगा परन्तु यह तब जब कि कर्मचारी के द्वारा ली गई छुट्टी की अवधि या कुटुम्ब के सदस्यों की प्रत्याशित अनुपस्थिति की अवधि तीन मास या नब्बे दिन से अधिक नहीं है । यदि इस सीमा से अधिक हो जाता है तो अग्रिम केवल यात्रा पर जाने के लिए ही लिया जा सकेगा ।

(4) यदि तीन मास या नब्बे दिन की सीमा का दोनों ओर की यात्राओं के लिए पहले ही अग्रिम ले लिए जाने के पश्चात अतिक्रमण कर लिया जाता है, तो अग्रिम की आधी रकम प्राधिकरण को तुरन्त वापस कर दी जानी चाहिए ।

(5) अग्रिम को उस दशा में पूरा लौटा दिया जाना चाहिए जब अग्रिम की मंजूरी से 30 दिन के भीतर बहिर्गामी यात्रा प्रारम्भ नहीं की जाती, तथापि ऐसे मामलों में जहां आरक्षण बहिर्गामी यात्रा की प्रस्तावित तारीख से 60 दिन पहले किया जा सकता है और तदनुसार

अग्रिम अनुदत्त किया जाता है, तो कर्मचारी को यात्रा के प्रारम्भ की तारीख पर ध्यान दिए बिना अग्रिम के आहरण के दस दिन के भीतर टिकट प्रस्तुत करना चाहिए।

(6) जहां कर्मचारी द्वारा अग्रिम ले लिया गया है वहां यात्रा पर उपगत व्यय की पूर्ति के लिए दावा वापसी यात्रा के पूरी होने के एक मास के भीतर प्रस्तुत किया जाना चाहिए। कर्मचारी के ऐसा करने में असफल रहने पर उससे अग्रिम की सम्पूर्ण रकम एकमुश्त वापस करने की अपेक्षा की जाएगी। अग्रिम की वसूली किश्तों में किए जाने के बारे में कोई अनुरोध ग्रहण नहीं किया जाएगा।

15. छुट्टी यात्रा रियायत का कपटपूर्ण दावा - (1) यदि अनुशासन प्राधिकारी द्वारा किसी कर्मचारी के विरुद्ध छुट्टी यात्रा रियायत का कपटपूर्ण दावा प्रस्तुत करने के आरोप पर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारम्भ करने का विनिश्चय किया जाता है तो ऐसे कर्मचारी को ऐसी अनुशासनात्मक कार्यवाही के विनिश्चय होने तक छुट्टी यात्रा रियायत अनुज्ञात नहीं की जाएगी।

(2) यदि अनुशासनात्मक कार्यवाही के परिणामस्वरूप कोई शास्ति अधिरोपित की जाती है तो कर्मचारी को अनुशासनात्मक कार्यवाही के लम्बित रहने के दौरान पहले रोके गए सेटों के अतिरिक्त आगामी दो सेटों तक छुट्टी यात्रा रियायत अनुज्ञात नहीं की जाएगी। लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों के आधार पर सक्षम प्राधिकारी छुट्टी यात्रा रियायत के दो से अधिक सेटों को नामंजूर भी कर सकता है।

(3) यदि कर्मचारी छुट्टी यात्रा रियायत के कपटपूर्ण दावा के आरोप से पूर्णतया दोषमुक्त कर दिया जाता है, तो उसे रोकी गई रियायत को भविष्य के ब्लाक वर्षों में किन्तु उसकी अधिवर्षिता की सामान्य तारीख से पूर्व अतिरिक्त सेट (सेटों) के रूप में उपभोग करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।

स्पष्टीकरण - इस विनियम के प्रयोजनों के लिए विनियम 6 के उप विनियम (1) और (2) में विनिर्दिष्ट रूप में गृह नगर और भारत में किसी स्थान के लिए छुट्टी यात्रा रियायत, छुट्टी रियायत के दो सेट गठित करेगी।

16. निर्वचन - यदि इन विनियमों में किसी उपबंध के संबंध में कोई संदेह है तो उस विषय को अध्यक्ष को निर्देशित किया जाएगा जो उसका विनिश्चय करेगा।

17. शिथिल करने की शक्ति - प्राधिकरण का अध्यक्ष अपने विवेकानुसार उपयुक्त मामलों में ऐसे कारणों के आधार पर जो लेखबद्ध किए जाएंगे, इन विनियमों के अधीन किसी शर्त को शिथिल कर सकेगा।

एस.के. नरूला, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/158/2003/असाधा.]

AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA**NOTIFICATION**

New Delhi, the 11th July, 2003

F. No. AAI/PERS/EDPA/REG/2002.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) and sub-section (4) of Section 42 of the Airports Authority of India Act, 1994 (55 of 1994) and in suppression of the International Airports Authority of India (Leave Travel Concession) Regulations, 1982, except as respect things done or omitted to be done before such suppression, the Airports Authority of India, with the approval of the Central Government, hereby makes following regulations, namely :—

1. Short title and commencement - (1) These regulations may be called the **Airports Authority of India (Leave Travel Concession) Regulations, 2003.**

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application - These Regulations shall apply to all the employees of the Authority, except

- (a) any person who is not in the whole time employment of the Authority,
- (b) any person who is on casual or a daily wages,
- (c) any person who is a trainee or apprentice;
- (d) any person who is re-employed and has not completed one year continuous service,
- (e) any person who is appointed on contract basis

Provided that the persons who are on deputation from the Ministries and Departments of the Central Government, State Government and other Public Sector Undertakings shall have the option if otherwise admissible under the terms of their deputation, to choose between leave travel concession as admissible under these regulations and that admissible to them under their parent Organization, but no such person shall be entitled to avail of the concession from the Authority for self and/or for his family for the duration of the block of 2/4 years, if he and/or his family, as the case may be has already availed of the concession under his parent Organization during the block.

3. Definitions.- In these Regulations, unless the context otherwise requires, -

- (a) "Act" means the Airports Authority of India Act, 1994 (55 of 1994);
- (b) "Authority" means the Airports Authority of India constituted under section 3 of the Act;
- (c) "any place in India" will cover any place within the territory of India, whether it is on the mainland India or Overseas;
- (d) "Chairperson" means the Chairman of the Authority, appointed under clause (a) of sub-section (3) of section 3 of the Act;
- (e) "Competent authority" means the Chairman or any Member or any other officer authorized by the Chairman in this behalf;
- (f) "Family" means: (i) the wife or husband, as the case may be of the employee, legitimate children or stepchildren wholly dependent on the employee, whether residing with the employee or not;

- (ii) married daughters divorced, abandoned or separated from their husbands and are residing with the employee and are wholly dependent on the employee;
- (iii) parents and/or stepmother residing with and wholly dependent on the employee;
- (iv) unmarried minor brothers as well as unmarried, divorced, abandoned, separated from their husbands or widowed sisters residing with and wholly dependent on the employee provided their parents are either not alive or are themselves wholly dependent on the employee.

EXPLANATIONS -

- (a) Not more than one wife is included in the term "Family" for the purpose of these regulations.
- (b) A member of the family whose income from all sources, including stipend or pension, temporary increase in pension but excluding Dearness Relief, does not exceed Rs.1500/- per month is deemed to be wholly dependent on the employee.
- (c) Husband and wife is one unit for purpose of LTC and hence the condition of dependency is not applicable.
- (d) "Employee" means the employees of the Authority to whom these regulations apply.
- (e) "Home town" means the permanent town, village or any other place declared as such by the employee and accepted by the Competent Authority;
- (f) **Once in a period of two calendar years.**— The expression "once in a period of two calendar years" means a group of two calendar years, i.e. 2002-03, 2004-05 commencing from the year 2002-03.
- (g) **Once in a period of four calendar years.**— The expression "once in a period of four calendar years" means a group of four calendar year, i.e. 2002-05, 2006-09 commencing from the year 2002-05.
- (h) **Class of accommodation.**— The class of accommodation is decided by the class to which an employee is entitled at the time the journeys are undertaken.
- (i) "Member" means a member of the Authority but does not ex-officio member.

4. Declaration of Home Town - (1) Every employee shall within a period of six months from the date of commencement of these regulations or before availing of the concession, whichever is earlier, make a declaration to the competent authority as his hometown for the purposes of these regulation;

Provided that a new entrant to the service of the Authority shall make such a declaration before the expiry of six months from the date of entry into service..

(2) A declaration of home town once made and accepted by the Competent Authority shall be treated as final, but in exceptional circumstances a Competent Authority may, for reasons to be recorded in writing, authorize a change in any such declaration, provided that such a change shall not be authorized more than once during the entire service of the employee.

(3) Every request for change of hometown by an employee shall be supported by reasons such as ownership of immovable property or permanent residence of near relative.

5. Admissibility of Leave Travel Concession - (1) The leave travel concession shall be admissible to an employee only if he has completed one year of continuous service under the Authority on the date of journey performed by him or his family, as the case may be, to avail of the concession.

(2) The leave travel concession shall be admissible during any period of leave, including casual leave and special casual leave.

(3) A period of unauthorized absence due to participation in strike, etc, shall be deemed to cause break in service, unless condoned by the Competent Authority, while calculating the minimum period of continuous service.

(4) The leave travel concession can be availed during Leave Preparatory to Retirement, provided the return journey is completed before the expiry of leave.

6. Types of Leave Travel Concession - (1) The leave travel concession to home town shall be admissible irrespective of the distance between the headquarters of the employee and his home town, once in a block of two calendar years, i.e. 2002-03, 2004-05 commencing from the year 2002-2003.

(2) The leave travel concession to any place in India shall be admissible irrespective of the distance of the place of visit from the headquarters of the employee, once in a block of four calendar years i.e. 2002-05, 2006-09;

(3) An employee whose family lives away from him at his home town may, in lieu of all concessions under this regulations, including the leave travel concession to visit any place in India once in a block of four years which would otherwise be admissible to him and members of his family, choose to avail of leave travel concession for self only to visit the home town every year.

7. Counting of Leave Travel Concession against Particular Blocks - An employee and members of his family availing of leave travel concession may travel in different groups at different times during a block of two or four years, as the case may be and the leave travel concession so availed of shall be counted against the block of two years or four years within which the outward journey commenced, even if the return journey was performed after the expiry of the block of two years or four years.

8. Carry over of Leave Travel Concession - An employee who is unable to avail of the leave travel concession within a particular block of two years or four years may avail of the same within the first year of the next block of two years or four years. If an employee is entitled to leave travel concession to home town, he can carry forward the leave travel concession to any place in India for a block of four years only if he has carried forward the leave travel concession to home town in respect of the second block of two years within the block of four years.

9. Place to be visited by an Employee and members of his family under leave travel concession to any place in India - An employee and each member of his family may visit different places of their choice during a block of four years. It shall not be necessary for members of family of an employee to visit the same place as that visited by the employee himself at any time earlier during the same block.

10. Concession for one way journey- (1) The leave travel concession for one way journey shall be admissible to the members of the family of an employee with reference to the facts existing at the time of the forward and return journeys independently.

(2) The following persons shall be entitled to reimbursement in respect of the outward journey only-

(a) The dependent son or daughter getting employment or getting married after going to home town or remaining there for prosecution of studies.

(b) The family having performed the journey to home town have no intention of completing the return journey from home town, provided the employee forgoes in writing the concession in respect of the return journey if performed by the family members at a subsequent date.

(3) The following persons shall be entitled to reimbursement in respect of the return journey only -

- (a) a newly married husband or wife coming from home town to headquarters station or a husband or wife who has been living long at home town and did not avail of the leave travel concession in respect of the outward journey;
- (b) a dependent son or daughter returning with parents or coming along from home town where he or she has been prosecuting studies or living with grandparents;
- (c) a child who was previously below five years of age but has completed five years of age only at the time of the return journey.

NOTE:- A child who was below twelve at the time of the outward journey but has completed twelve at the time of the return journey shall be entitled to half fare for the outward journey and full fare for the return journey.

11. **Class of accommodation and encashment of leave travel concession:** (1) For travel under the scheme of leave travel concession the entitlement shall be decided by Authority.
(2) The encashment under these regulations shall be limited to 1500 kms. each way by the entitled class, by rail travel, not exceeding First Class. For the purpose of this regulation, "family" shall be limited to the employee, his or her spouse and children subject to a limitation of four tickets and as such encashment shall also be to the extent of 75% of the entitled fare.
12. **Reimbursement** - Reimbursement under these regulation shall not cover incidental expenses and expenditure incurred on local journeys. Reimbursement for expenses of journey shall be allowed only on the basis of a point to point journey on a through ticket over the shortest direct route.
13. **Forfeiture of claim** - Where no advance is drawn by the employee, the right of an employee for reimbursement of leave travel concession claim stands forfeited or deemed to have been relinquished, if the claim for it is not preferred within three months of the date of completion of the return journey. If advance is drawn, the final bill should be preferred within one month of the completion of return journey. If that is not done, the entire advance should be recovered in lump-sum after which it will be taken as if no advance had been drawn and the claim preferred within three months of completion of the return journey.
14. **Grant of advance and adjustment thereof** - (1) Advance may be granted to employee to enable him to avail himself of the concession. The amount of such advance in each case shall be limited to 90 percent of the estimated amount which the Authority shall have to reimburse in respect of the cost of the journey both ways.
(2) If the family travels separately from the employee, the advance may also be drawn separately to the extent admissible.
(3) The advance may be drawn both for the forward and return journeys at the time of commencement of the forward journey, provided the period of leave taken by the employee or the period of anticipated absence of the members of the family does not exceed three months or ninety days. If this limit is exceeded, then the advance may be drawn for the outward journey only.
(4) If the limit of three months or ninety days is exceeded after the advance had already been drawn for both the journeys, one half of the advance should be refunded to the Authority forthwith.

(5) The advance should be refunded in full, if the outward journey is not commenced within 30 days of the grant of advance. However, in cases where reservations can be made sixty days before the proposed date of the outward journey and advance is granted accordingly, the employees should produce the tickets within ten days of the drawal of advance, irrespective of the date of commencement of the journey.

(6) Where an advance has been drawn by the employee the claim for reimbursement of the expenditure incurred on the journey shall be submitted within one month of the completion of the return journey. On an employee failure to do so he shall be required to refund the entire amount of advance forthwith in one lump-sum. No request for recovery of advance in installments shall be entertained.

15. Fraudulent claim of Leave Travel Concession - (1) If a decision is taken by the Disciplinary Authority to initiate disciplinary proceedings against an employee on the charge of preferring a fraudulent claim of leave travel concession, such an employee shall not be allowed the leave travel concession till the finalization of such disciplinary proceedings.

(2) If the disciplinary proceedings result in imposition of any penalty, the employee shall not be allowed the next two sets of the leave travel concession in addition to the sets already withheld during the pendency of the disciplinary proceedings. For reasons to be recorded in writing, the Competent Authority can also disallow more than two sets of leave travel concession.

(3) If the employee is fully exonerated of the charge of fraudulent claim of leave travel concession, he shall be allowed to avail of the concession withheld earlier as additional set(s) in future block years but before the normal date of his superannuation.

Explanation:- For the purposes of this regulation, leave travel concession to home town and to any place in India as specified in sub-regulation, (1) and (2) of regulation 6 shall constitute two sets of the leave concession.

16. Interpretation - If there is any doubt regarding any of the provisions in these regulations, the matter shall be referred to the Chairperson who shall decide the same.

17. Power to relax - Chairperson of the Authority may, at his discretion in deserving cases, for reasons to be recorded, relax any of the conditions under these regulations.

S.K. NARULA, Chairman

[ADVT. III/IV/158/2003/Exty]